# लॉकडाउन

## मेरे अनुभव मेरे विचार

संपादक : डॉ. विदुषी शर्मा

Scanned by CamScanner

## डॉ. विदुषी शर्मा

**शिक्षा :** M.A., M.phil, Ph.d, Prabhakar

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी IGNOU में एकेडमिक कॉउंसर के पद पर कार्यरत।, OSD (officer on special duty) in NIOS, National Institute of Open School, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार की "भाषा" (यूजीसी लिस्टेड) एकक में 'विशेषज्ञ' पटल की सदस्य, दिल्ली स्टेट की जनरल सेक्रेटरी इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स आर्गेनाईजेशन। विजिटिंग प्रोफेसर, मानवाधिकार आयोग तथा कार्यसमिति, शैक्षणिक गतिविधियों की अध्यक्षा, कार्य परिषद की सदस्य, श्याम तारा महिला पी. जी. कॉलेज-कोसड़ा, मिर्जामुराद, वाराणसी। अजीम प्रेम जी यूनिवर्सिटी के साथ अनुवादक के तौर पर कार्यरत।, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी महाविद्यालय वर्धा के यूजीसी लिस्टेड जनरल "हिंदी समय" पटल की रचनाकार।, Blog : http://educationalvidushi. blogspot.in., कुल रचना/शोध प्रकाशन - 80, ISSN: 39, ISBN: 24 + 11=35, UGC लिस्टेड पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख = 6, पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित = 24, एक e पुस्तक प्रकाशित। हिन्दी भाषा पर आधारित दो संपादित शोध संकलन प्रकाशित। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में पत्र वाचन सहित सहभागिता - 42, राष्ट्रीय सम्मेलनों में पत्रवाचन सहित सहभागिता - 55, सम्मान Awards प्राप्त - 15

**विशेष :** 'आज का अभिमन्यु' मृगेंद्र राज , गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर द्वारा मेरी जीवनी लिखी गई। माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी, उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू जी, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर जी, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी, पुडुचेरी की उपराज्यपाल किरण बेदी जी, उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक जी के साथ संगोष्ठी में सहभागिता/के सामने शोध-पत्र वाचन का सुअवसर प्राप्त। विश्व हिंदी सम्मेलन, मॉरीशस अगस्त 2018 में भारत सरकार की स्मारिका में आलेख प्रकाशित। महाप्रज्ञ जी पर लिखित काव्य ग्रन्थ में मेरी रचना भी सम्मिलित जिसे ब्रिटिश वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल किया गया है। "माँ" विषय पर लिखित कविता के संकलन ग्रंथ (कुल 1111 कविताएँ, जिसमें मेरी कविता भी शामिल है) गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए एवं लिम्का बुक में दर्ज। इसी के साथ गोल्डन बुक, एशिया बुक, महाराष्ट्रीयन बुक, इंडिया बुक में रिकॉर्ड में सम्मिलित होने का गौरव प्राप्त।

Also available at : flipkart amazon

Vanya
वान्या पब्लिकेशंस
3ए-127 आवास विकास, हंसपुरम्, नौबस्ता, कानपुर-208021
9450889601, 7309038401
vanyapublicationskanpur@gmail.com
info@vanyapublications.com
www.vanyapublications.com

₹350.00
ISBN 978-93-90052-35-6
9 789390 052356 >

rudra graphics
साभार : इंटरनेट

Scanned by CamScanner

ISBN : 978-93-90052-35-6

**मूल्य :** तीन सौ पचास रुपये मात्र

| | | |
|---|---|---|
| **पुस्तक** | : | **लॉकडाउन : मेरे अनुभव मेरे विचार** |
| **संपादक** | : | डॉ. विदुषी शर्मा |
| © | : | संपादक |
| **प्रकाशक** | : | **वान्या पब्लिकेशंस**<br>3A/127 आवास विकास हंसपुरम्, नौबस्ता,<br>कानपुर - 208 021<br>Email : vanyapublicationskanpur@gmail.com<br>info@vanyapublications.com<br>Website : www.vanyapublications.com<br>Mob. : 9450889601, 7309038401 |
| **संस्करण** | : | **प्रथम, 2021** |
| **मूल्य** | : | 350.00 |
| **शब्द-सज्जा** | : | रुद्र ग्राफिक्स, कानपुर |
| **मुद्रक** | : | सार्थक प्रिंटर्स, कानपुर |


Scanned by CamScanner

# अनुक्रम


| | | |
|---|---|---|
| 1. | डॉ. हिमानी सैनी | 13 |
| 2. | डॉ. दिग्विजयकुमार शर्मा | 17 |
| 3. | डॉ. अरुणिमा सेनगुप्ता लाहिड़ी | 23 |
| 4. | सन्तोष खन्ना | 26 |
| 5. | डॉ. श्रीमती मृणालिका ओझा | 32 |
| 6. | डॉ. ब्रजेश सिंह | 36 |
| 7. | मोतिया शर्मा | 39 |
| 8. | सुजाता प्रसाद | 43 |
| 9. | डॉ. अर्चना सक्सेना | 47 |
| 10. | श्वेता राय | 49 |
| 11. | मनीषी मित्तल | 55 |
| 12. | सत्येन्द्र कुमार सिंह | 60 |
| 13. | बुद्धि प्रकाश महावर 'मन' | 64 |
| 14. | डॉ. श्रीमती बी.नन्दा जागृत | 68 |
| 15. | रीता रानी | 78 |
| 16. | डॉ. अंजू लता | 84 |
| 17. | उमेश कुमार | 88 |


Scanned by CamScanner

# 16. डॉ. अंजू लता

वैश्विक महामारी कोरोना अभी तक केवल चीन को ही अपने चपेट में ले चुकी थी। आये दिन बुहान शहर की खबरे हमें टीवी के माध्यम से पता चल रही थी। अभी यह बीमारी खबरों में ही थी। हमने सोचा नहीं था कि बहुत जल्दी ही हम भी इसके शिकार होने वाले हैं। हमें अब तक के अपने जीवन का वह अनुभव प्राप्त होने वाला है जिसका हमें भान तक नही है। मेरी गर्भावस्था का नौवां महीना चल रहा था। मैं पूरी तरह से अपने जीवन में इस नये मेहमान के आगमन की तैयारी कर रही थी। इस बात से बेफिक्र कि अभी कुछ ही दिनों के बाद सब कुछ बंद होने वाला है। मैं अपने विभाग की भी जिम्मेदारियों को संभाल रही थी। मेरे उपर जिम्मेदारियाँ कुछ ज्यादा ही आन पड़ी थी। खैर मैं अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए धीमी गति से सारे कामों को अंजाम दे रही थी। भारत में कोरोना को फैलने से रोकने के लिए प्रधानमंत्री जी एक दिन टी. वी पर आतें हैं और एक दिन के पूर्ण लॉकडाउन के सरकारी आदेश देकर चले जाते हैं। इस पूर्ण रूप से बंद दिन का लुत्फ हमने खूब उठाया। लेकिन इस एक दिन का मजा जल्द ही सजा बनने वाला था।

व्यक्ति के जीवन के अनुभव का गहरा संबंध समाज के साथ होता है। भारत में 24 मार्च को लागू होने वाले लॉक डाउन की प्रक्रिया हम जैसे मध्यवर्ग के लोगों के लिए तो मजे की चीज थी। ऐसा लगा की एक लंबी छुट्टी पर चली आयी हूँ। खाने– पीने की सभी चीजों से घर भर गया था। हम रोज नये–नये खाने बनाने का काम कर रहे थे। दिन में मैं अपनी पढ़ाई किया करती और रात को टी.वी देख कर समय काट रही थी। इस बीच में मेरी एक छात्रा अचानक से होने वाले लॉकडाउन के कारण अपने घर नही जा पायी थी। वह भी मेरे साथ रह रही थी। उसके साथ मेरे एकेडमिक काम काज अच्छा चल पड़ा था। लेकिन इन बीतते दिनों में मैंने यह महसूस किया कि यह लंबा लॉकडाउन सबके लिए एक जैसा नहीं था। हम जैसे मौज मस्ती कर रहे थे वैसे ही और भी बहुत सारे लोग थे जो अपना पूरा समय फेसबुक, वाट्सएप और टिकटॉक पर बीता रहे थे। लेकिन समाज के हर वर्ग की यह सच्चाई नहीं थी।

लॉकडाउन का कुछ समय बीताने के बाद मैंने देखा कि न्यूज़ में जहाँ एक तरफ कोरोना से जुड़ी ख़बरों में इजाफा हो रहा है वहीं दूसरी तरफ

Scanned by CamScanner